

वेबसाईट अपलोड तारीख ०७/०९/२०१५

मुंबई जिल्हा मध्यवर्ती सहकारी बँक मर्यादित.

:: प्रधान कार्यालय ::

" मुंबई बँक भवन", २०७, डॉ.दादाभाई नौरोजी रोड,
फोर्ट , मुंबई ४०० ००१, दूरध्वनी - २२६१७१ ५४ ते ५९

वैयक्तिक सुधारीत
सोनेतारण
कर्ज धोरण



मुंबई जिल्हा मध्यवर्ती सहकारी बँक मर्यादित

४१/७ वी संचालक मंडळ सभा, दिनांक २८/०८/२०१५ चे ठराव क्रमांक २४ नुसार

सुधारीत सोने तारण कर्ज धोरण :-

१. कर्जदाराची पात्रता :

शाखेच्या परिसरातील राहिवाशी नोकरदार व्यक्ती व्यावसायिक व्यक्ति सोनेतारण कर्जास पात्र राहिल. मात्र कर्जदाराचे के.वाय.सी. नॉर्म नुसार आवश्यक कागदपत्रे कर्ज मागणी अर्जासोबत सादर करणे आवश्यक राहिल. तसेच त्यांचे संबंधित शाखेत बचत खाते असणे आवश्यक राहिल.

२. तारण :-

१८ कॅरेट किंवा त्यापेक्षा जास्त शुध्दता असलेले कॅरेट्सचेच सोनेचे (शक्य तो हॉलमार्क असलेले) दागीने सोनेतारण कर्जास पात्र धरले जातील. सोन्याची लगड, क्वाईन्स , बिस्कटे सदर कर्जास पात्र रहाणार नाहीत.

३. कर्ज मंजूर मर्यादा :-

सदर कर्ज मर्यादा मंजूर करताना त्या दिवशीचा / अधिल दिवशीचा सोने बाजारातील बंद बाजारभाव / निधी नियोजन विभागाने कळविलेला बाजारभाव यामधून सरसकट १०% रक्कम वजा करुन व बँकेने नियुक्त केलेल्या मुल्यांकनकाराने घट वजा जाता केलेल्या सोने मुल्यांकनाचे ७५% (बाजारातील त्या दिवशीचा सोन्याचा दर विचारात घेऊन) इतकी किंवा बँक वेळोवेळी बदल करेल त्यानुसार कर्ज मर्यादा, कर्जदाराचा खात्यावरील व्यवहार, परतफेड क्षमता, दरमहा मासिक व्याज परतफेड क्षमता इ. बाबी विचारात घेऊन मंजूर केली जाईल. सोने तारण कर्ज मंजूरीची शाखा स्तरावरील कमाल मर्यादा रु.१०.०० लाख इतकी राहिल.

रु.१०.०० लाखाच्या वरील रु.२५.०० लाखापर्यंत सोनेतारण कर्ज मंजूरीची मर्यादा मंजूर करणेचे अधिकार संबंधीत शाखांच्या सलगन विभागीय व्यवस्थापक यांना देण्यात आलेले आहेत.

४. कर्ज हेतु :-

सोने तारण कर्जाचा विनियोग पुनश्च सोने खरेदीसाठी तसेच कोणत्याही बेकायदेशीर बाबीसाठी करता येणार नाही.

| कर्ज प्रकार :- | कर्ज प्रकार :- |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| अ:- अधिकर्ष कर्ज - किमान १२ महिन्याकरीता, १८ कॅरेट किंवा त्यापेक्षा जास्त शुध्दता असलेले कॅरेट्सचेच कस वजा जाता निव्वळ वजन जमेस धरुन सोनेचे मुल्यांकनाचे ७५% (बाजारातील त्या दिवशीचा सोन्याचा दर तसेच केंद्रकार्यालयातील निधी नियोजन विभागामधून कळविणेत येणारा सोन्याचा दर विचारात घेऊन यामधून सरसकट १०% रक्कम वजा करुन) इतकी तसेच कर्जदाराचे बँक खात्यावरील व्यवहार, परतफेड क्षमता, आर्थिक निकड इ. बाबी विचारात घेऊन कर्ज मर्यादा मंजूर केली जाईल. | ब:- बुलेट कर्ज - (सोने कर्ज-बुलेट रिपेमेंट) किमान १२ महिन्याकरीता, १८ कॅरेट किंवा त्यापेक्षा जास्त शुध्दता असलेले कॅरेट्सचेच सोने कस वजा जाता निव्वळ वजन जमेस धरुन सोनेचे मुल्यांकनाचे ७५% (बाजारातील त्या दिवशीचा सोन्याचा दर तसेच केंद्रकार्यालयातील निधी नियोजन विभागामधून कळविणेत येणारा सोन्याचा दर विचारात घेऊन यामधून सरसकट १०% रक्कम वजा करुन) इतकी तसेच कर्जदाराचे बँक खात्यावरील व्यवहार, परतफेड क्षमता, आर्थिक निकड इ. बाबी विचारात घेऊन कर्ज मर्यादा मंजूर केली जाईल. |

| | |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| अधिकर्ष कर्ज :- सदर कर्जासाठी प्रचलित पध्दतीनुसार डॉक्युमेंट सेट भरून घेवून दरमहा व्याजाची वसुली केली जाईल. सदर कर्जाचे प्रतिवर्षी नुतनीकरण करता येईल. मात्र नुतनीकरणाचे वेळी कर्जदाराचा गतवर्षाचा कर्ज खात्यावरील व्यवहार विचारात घेतला जाईल. कर्जदारास शाखेमार्फत कर्ज मंजूरी पत्र देवून त्याची पोहोच घेतली जाईल. | बुलेट कर्ज :- (सोने कर्ज-बुलेट रिपेमेंट) सदर कर्जासाठी प्रचलित पध्दतीनुसार डॉक्युमेंट सेट भरून घेवून कर्जदारास कर्ज मंजूरी पत्र देण्यात येईल. |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

कर्ज मंजूरी मर्यादा :

सदर कर्ज मर्यादा मंजूर करताना त्या दिवशीचा / अधिल दिवशीचा सोनेबाजारातील बंद बाजारभाव / निधी नियोजन विभागाने कळविलेला बाजारभाव यामधून सरसकट १०% रक्कम वजा करून येणा-या बाजारभावाने नेट वजनाच्या किंमतीचे ७५% इतकी कर्ज मर्यादा मंजूर केली जाईल.

| | |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| अधिकर्ष कर्ज :- | बुलेट कर्ज :- (सोने कर्ज-बुलेट रिपेमेंट) |
| १) कर्जाचा व्याजदर रु.१०.०० लाखापर्यंत १२.५०% व रु.१०.०० लाखाचे वर रु.२५.०० लाखापर्यंत १२% किंवा कालानुरूप निश्चित केलेला /असलेला लागू राहिल. | १) कर्जाचा व्याजदर १२.५०% किंवा कालानुरूप निश्चित केलेला /असलेला लागू राहिल. |
| २) दरमहा व्याजाचा भरणा करणे आवश्यक राहिल. दरमहाचे व्याज पुढील महिन्याचे २० तारखेपर्यंत भरणा न केल्यास नियमानुसार लेट पेमेन्ट चार्जेस (कालानुरूप निश्चित केलेले) आकारले जाईल. | २) दरमहाचे व्याज पुढील महिन्याचे २० तारखेपर्यंत भरणा करावा किंवा मुदतीअंती व्याज व मुद्दलाची एकत्रीत रक्कम भरून कर्ज खाते निरंक करावे. |
| ३) कर्जदार यांना आवश्यक ती नाममात्र सभासद फी चा भरणा करून नाममात्र सभासदत्व घेणे आवश्यक राहिल. | ३) कर्जदार यांना आवश्यक ती नाममात्र सभासद फी चा भरणा करून नाममात्र सभासदत्व घेणे आवश्यक राहिल. |
| ४) तारण सोने स्वमालकीचे खरेदीचे बील अथवा सदर सोने स्वमालकीचे असलेसंबंधी डिक्लरेशन द्यावे लागेल. | ४) तारण सोने स्वमालकीचे खरेदीचे बील अथवा सदर सोने स्वमालकीचे असलेसंबंधी डिक्लरेशन द्यावे लागेल. |
| ५) स्त्रीधना संबंधी संबंधीत स्त्रीचे नाहरकत प्रमाणपत्र सादर करावे लागेल. | ५) स्त्रीधना संबंधी संबंधीत स्त्रीचे नाहरकत प्रमाणपत्र सादर करावे लागेल. |
| ६) मंजूर कर्जाची रक्कम कर्जदाराचे बचत खाती वर्ग केलेनंतर आवश्यकतेनुसार रु.१.०० लाखांपर्यंतची रक्कम रोखीने काढता येईल. रु. १.०० लाखांच्यावर रोखीने रक्कम अदा करताना विशेष काळजी घ्यावी. | ६) मंजूर कर्जाची रक्कम बचत खात्यावर वर्ग करण्यात येईल. |

| | |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>७) ज्या कर्ज खात्यावरील व्याजाची पूर्णपणे परतफेड केली असेल अशा खात्यास मुदत वाढ देण्यात यावी.</p> <p>८) रु.१०.०० लाखाच्यावरील सोनेतारण कर्ज मंजूर केलेल्या कर्जदाराचे तीन वर्षांचे आय.टी. रिटन घेण्यात येईल.</p> <p>९) रु.१०.०० लाखाच्या वरील कर्ज मंजूरीसाठी तारण म्हणून ठेवलेल्या सोन्याचे दोन सुवर्ण मुल्यांकनकाराकडून मुल्यांकन करून घेण्यात येईल. त्यांचे चार्जस कर्जदारास भरावे लागतील.</p> | <p>७) सदर कर्जास मुदत वाढ देण्यात येणार नाही. मुदतीअंती व्याज व मुदलाची रक्कम एक रकमी भरणा करून कर्ज खाते बंद करण्यात येईल.</p> <p>८) सदर कर्ज खात्यावर दरमहाचे व्याज नावे पडून कर्ज खाते मर्यादे बाहेर जावू नये याची दक्षता घ्यावी.</p> |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

सोनेतारण कर्ज नुतनीकरणाचे वेळी सोन्याच्या बाजार मुल्यातील चढ / उतारानुसार कर्ज मर्यादा मंजूर करण्याचे अधिकार शाखा व्यवस्थापकांना राहिल. तसेच कर्ज मंजूरीच्यावेळी असणाऱ्या सोन्याचे दरात घट झाल्यास तारणापोटीच्या दुराव्याची रक्कम कर्जदारास त्वरित कर्जखाती भरणे आवश्यक राहिल. दुराव्याच्या रकमेचा कर्जदाराने भरणा न केल्यास, तारणाची लिलावाद्वारे विक्री करण्याचा अधिकार बँकेस राहिल.

सोने तारण कर्ज थकबाकीबाबत शाखास्तरावरून करावयाची कार्यवाही :-

अ] प्रथम मागणी नोटीस :-

- १] ज्या सोने तारण कर्जदारांच्या कर्ज परतफेडीची मुदत संपलेली आहे व कर्ज परतफेडीची रक्कम देय तारखेनंतर (Due Date) १५ दिवसांत भरणा केलेली नाही अथवा नुतनीकरण प्रस्ताव दिला नाही.
- २] ज्या सोने तारण कर्जदारांनी मागील महिन्याचे व्याजाची रक्कम पुढील महिन्याचे वीस तारखेपर्यंत भरणा केलेली नाही.
- ३] ज्या सोनेतारण कर्ज खात्यावरील कर्ज येणेबाकी तारण ठेवलेल्या सोन्याचे चालू बाजार भावाप्रमाणे मुल्यांकन केल्यावर आलेल्या रक्कमेच्या ७५% पेक्षा जास्त आहे व अशी रक्कम कर्जदाराना लेखीपत्राद्वारे हप्ता ठरवून दिल्याप्रमाणे १५ दिवसांच्या मुदतीत भरणा केली नाही. अथवा चालू बाजारभावाप्रमाणे तारण सोन्याचे मुल्यांकनामध्ये कर्ज येणेबाकी एवढी वाढ झालेली नाही. अशा सोनेतारण कर्जदारांना थकबाकीची रक्कम भरणा करणेबाबत अथवा कर्ज खाते नुतनीकरणाबाबत तसेच थकीत व्याजाची भरणा करणेबाबत तसेच ओव्हरड्रॉन झालेली रक्कम भरणा करणेबाबत ७ दिवसांच्या मुदतीची प्रथम मागणी नोटीस साध्या पोस्टाने थकबाकीनंतरच्या तिस-या दिवशी पाठविणे आवश्यक आहे. पोस्टेज व स्टेशनरी तसेच अनुषंगिक खर्च कर्जदाराकडून वसूल करण्यात यावा. (ओव्हरड्रॉन रक्कम भरणा करणेबाबत पाठवावयाच्या पत्राचा व प्रथम मागणी नोटीसाचा नमुना पाठविला आहे. पत्र क्रमांक : जी/एन :०० व जी/एन : ०१)

ब] **द्वितीय मागणी नोटीस :**

प्रथम मागणी नोटीशीनुसार दिलेल्या मुदतीत

- १] ज्या सोने तारण कर्जदारांनी कर्ज थकबाकीचा भरणा केलेला नाही/ कर्ज नुतनीकरण प्रस्ताव सादर केलेला नाही.
- २] ज्या सोने तारण कर्जदारांनी संपूर्ण थकीत व्याजाचा भरणा केलेला नाही.
- ३] ज्या सोने तारण कर्जदारांनी चालू बाजार भावानुसार तारण सोन्याचे मुल्यांकनाप्रमाणे ओव्हरड्रॉन झालेली रक्कम लेखी पत्राद्वारे हप्ता ठरवून दिल्याप्रमाणे भरणा केली नाही. अथवा चालू बाजार भावाप्रमाणे तारण सोन्याचे मुल्यांकनामध्ये कर्ज येणेबाकी ऐवढी वाढ झालेली नाही.

अशा सोनेतारण कर्जदारांना थकीत रकमेचा भरणा करणेबाबत ७ दिवसांच्या मुदतीची द्वितीय मागणी नोटीस प्रथम मागणी नोटीसांमध्ये दिलेली सात दिवसांची मुदत संपताच २ -या दिवशी रजिस्टर ए.डी. पोस्टाने पाठविणे आवश्यक आहे. पोस्टेज व स्टेशनरी तसेच अनुषंगिक खर्च संमत कर्जदाराकडून वसूल करण्यात यावा.

क] **अंतिम मागणी नोटीस :-**

द्वितीय मागणी नोटीशीनुसार दिलेल्या मुदतीत

- १] ज्या सोनेतारण कर्जदारांनी संपूर्ण कर्ज थकबाकी भरणा केलेला नाही अथवा नुतनीकरणाचा प्रस्ताव सादर केलेला नाही.
- २] ज्या सोनेतारण कर्जदारांनी संपूर्ण थकीत व्याजाचा भरणा केलेला नाही.
- ३] ज्या सोनेतारण कर्जदारांनी चालू बाजार भावानुसार तारण सोन्याचे मुल्यांकनाप्रमाणे ओव्हरड्रॉन झालेली रक्कम लेखी पत्राद्वारे हप्ता ठरवून दिलेल्या मुदतीत भरणा केली नाही अथवा चालू बाजार भावाप्रमाणे तारण सोन्याचे मुल्यांकनामध्ये कर्ज येणेबाकी ऐवढी वाढ झालेली नाही.

मुल्यांकनकराची नियुक्ती :-

शाखा स्तरावर मुल्यांकनकराची नेमणूक करताना नियुक्तीचे निकषांची पूर्तता करून घेऊन आवश्यक कागदपत्रे, करार पत्र व इंडमेनिटी बॉण्ड घेऊन सदरचा प्रस्ताव विभागीय व्यवस्थापक यांच्याकडे पाठवावा. विभागीय व्यवस्थापक यांनी सदरच्या प्रस्तावाची पडताळणी करून विभागीय कार्यालय नियंत्रण उपसमिती सभेस मंजूरीसाठी सादर करावा. सदर सभेची मंजूरी मिळाल्यानंतर मुळ करारपत्रावर विभागीय व्यवस्थापक यांनी स्वाक्षरी करून मुळ करार पत्र शाखेस परत पाठवावे.

नियुक्तीचे निकष :-

- १) मुल्यांकनकार हा नामांकित स्वतःची पेढी असलेला असावा तसेच सदरील पेढी किमान १० वर्षे एकाच जागी कार्यरत (स्थायी स्वरूपात) असावी.
- २) मुल्यांकन काराकडून खालील कागदपत्रे घेणे आवश्यक राहिल.

- १) बँकेच्या शाखेत सुवर्ण मुल्यांकनकार म्हणून नेमणूक करणेबाबत विनंती पत्र (३ वर्षांचे कालावधीसह)
- २) भारत सरकार (सुक्ष्म, लघू एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय) यांचे एम.एस.एम.ई डेव्हलपमेन्ट इन्स्टिट्यूट, मुंबई या संस्थेचे "गोल्ड अप्रायजल" चे प्रमाणपत्र, इंडियन इन्स्टि.ऑफ जेम्स अँड ज्वेलरी, मुंबई या संस्थेचे प्रमाणपत्र किंवा महाराष्ट्र शासन यांचे अंडरटेकिंग असलेल्या संस्थेचे प्रमाणपत्र.
- ३) गुमास्ता लायसन्स
- ४) रेशनिंग कार्ड / वीज बील / टेलिफोन बील यापैकी एक
- ५) मतदार कार्ड / आधार कार्ड / ड्रायव्हिंग लायसन्स / पासपोर्ट यापैकी एक
- ६) पॅनकार्ड
- ७) बँकेच्या विहित नमुन्यातील करारपत्र (रु.२००/- चे फ्रँकिंग करुन)
- ८) मुंबई सुवर्णकार संघ यांचे सभासदत्वाचा पूरावा (अद्यावत नूतनीकरणासह)
- ९) तारण दिलेल्या सोन्याचे मुल्यांकन दाखल्यातील तारणाचे प्युरिटी, जेन्युइनेस, व्हॅल्यु, वजन इ. नमूद बाबी संबंधी इंडेन्मिटी बॉंड रु. २००/- चे फ्रँकिंग करुन.
- १०) रु.१०,०००/- इतकी सुरक्षा अनामत. (G.L. Head No.99-01-2265)
- ११) आयकर विवरण पत्र
- १२) शाखास्तरावर नियुक्त केलेल्या सुवर्णमुल्यांकनकाराचा तो ज्या इतर बँकेत मुल्यांकन करित असेल त्या बँकेचे नियुक्तीबाबत पत्र घेण्यात यावे.
- १३) सुवर्ण मुल्यांकनकार यांचा गावचा पत्ता (पिन कोडसह), गावचे टेलिफोन नंबर/ मोबाईल नंबर घ्यावे.

२. इतर :-

- १) मुल्यांकनकार अथवा त्याचे नातेवाईकास तसेच त्याने शिफारस केलेल्या अन्य व्यक्तिसा संबंधित शाखेतून कोणत्याही प्रकारचे कर्ज दिले जाणार नाही.
- २) मुल्यांकनकाराकडून सुरक्षेपोटी मुदत ठेव (१९/०१/२२६५) या खात्यावर घेण्यात यावी. तसेच अनेक शाखामध्ये सुवर्णमुल्यांकनकार म्हणून नियुक्ती असलेल्या सुवर्णमुल्यांकनकार यांनी सुरक्षेपोटी ठेव कोणत्याही एकाच शाखेत ठेवावी.

मुल्यांकनाचा दर :-

सोने मुल्यांकनाचा दर रु.२/- प्रती ग्रॅमसाठी किमान रु.२५०/- व कमाल रु.८५०/- याप्रमाणे राहिल. या सेवा शुल्का व्यतिरिक्त अन्य कोणत्याही प्रकारचा खर्च मुल्यांकनकारास दिला जाणार नाही.

शाखा व्यवस्थापकांनी कर्ज वसुली संदर्भात घ्यावयाची दक्षता :-

- १) शाखेतील सोनेतारण कर्जा संबंधी दरमहा आढावा घेऊन मासिक व्याज विहित मुदतीत वसुल करणेसंबंधी कार्यवाही करणे आवश्यक आहे.
- २) ज्या सोने तारण कर्जाच्या मुदती संपुष्टात येणार आहेत अशा कर्जदारांना अंतीम मुदतीपूर्वी दोन महिने अगोदर लेखीपत्रान्वये / दुरध्वनीद्वारे संपर्क साधून कर्ज खाते विहित मुदतीत निरंक करुन घेणे आवश्यक आहे.

३) शाखास्तारावर सोने तारण कर्जाचे ३ महिन्याचे व्याज थकीत झाल्यास (उदा. दिनांक १ जानेवारी रोजी मंजूर केलेल्या कर्जाचे व्याज दि.१ एप्रिल पर्यंत वसूल न झाल्यास) सदर खाते एन.पी.अ. होणार असल्याने अशा परिस्थितीत शाखेने सदरील थकीत कर्ज वसुलीसाठी करावयाचे कायदेशिर कारवाई संबंधी कर्जदारास, तारणसोने लिलाव करणेसंबंधी प्रथम नोटीस जरी सदर कर्जाची १२ महिन्याची अंतीम मुदत संपुष्टात आली नसली तरी पाठविणे आवश्यक आहे.

बँकेचे कर्ज धोरण अवलंबताना खालील मार्गदर्शक सूचनांची अंमलबजावणी होणे आवश्यक आहे.

१) कर्जदाराची पात्रता :- सोने तारण कर्जदार शाखेच्या कार्यक्षेत्रातील रहिवासी / व्यवसाय/ नोकरी करणारी व्यक्ती सोने तारण कर्जास पात्र राहिल. कर्जदाराचे संबंधीत शाखेत खाते उघडणे आवश्यक असून सदर खाते उघडताना त्याची KYC नॉम्स नुसार आवश्यक कागदपत्रे घेणे आवश्यक आहे. तसेच कर्ज मंजूरी पूर्वी त्याने बँकेचे नाममात्र सभासदत्व घेणे आवश्यक आहे.

कर्जदाराचे वय, पत्ता, फोटो आय.डी. इ. पुरावे KYC नॉम्सप्रमाणे तपासणीसाठी खालील कागदपत्रे सादर करावी लागतील.

१) पॅनकार्ड २) पासपोर्ट ३) फोटोसह ओळखपत्र ४) शालान्त किंवा पदवी परीक्षा प्रमाणपत्र ५) ड्रायव्हर लायसेन्स ६) मतदान कार्ड ७) आयकर विवरण पत्र ८) एल.आय.सी. पॉलिसी ९) बँक स्टेटमेंट इ.

कर्जदाराची परतफेड क्षमता आजमाविताना, तो पगारदार नोकर असल्यास नजिकचे पगारपत्रक महिन्याचे आयकर विवरण पत्र, तसेच व्यावसायिक असल्यास व्यवसायाची आर्थिक पत्रके, बँक स्टेटमेंट, आयकर विवरण पत्र इ. विचारात घ्यावे. कर्ज देणे पूर्वी शाखा व्यवस्थापकांनी ग्राहकांशी प्रत्यक्ष चर्चा करून त्याची निकड, व्यवसाय, नोकरी, वास्तव्य इ. माहिती जाणून घ्यावी. व कर्जदाराची कर्ज परतफेड क्षमता लक्षात घेवून कर्ज मंजूर करावे.

२. तारण :-

| अधिकर्ष कर्ज :- | बुलेट कर्ज:- (सोने कर्ज-बुलेट रिपेमेंट) |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १) तारण : १८ कॅरेट किंवा त्यापेक्षा जास्त शुध्दता असलेले कॅरेटचे दागिने (शक्य तो हॉलमार्क असलेले दागिने) सोने तारण कर्जास पात्र राहतील. सोन्याची लगड, क्वार्ट्झ, बिस्किटे, मौल्यवान हिरे इ. वस्तू सोनेतारण कर्जास पात्र राहणार नाहीत. | १) तारण : १८ कॅरेट किंवा त्यापेक्षा जास्त शुध्दता असलेले कॅरेटचे दागिने (शक्य तो हॉलमार्क असलेले दागिने) सोने तारण कर्जास पात्र राहतील. सोन्याची लगड, क्वार्ट्झ, बिस्किटे, मौल्यवान हिरे इ. वस्तू सोनेतारण कर्जास पात्र राहणार नाहीत. |

मुल्यांकन प्रक्रिया :

प्रत्यक्ष कर्ज मंजूरीपूर्वी इच्छूक कर्जदाराशी प्रत्यक्षात चर्चेनंतर त्याचे सोयीनुसार शाखेत नियुक्त केलेल्या मुल्यांकनकाराशी चर्चा करून निश्चित केलेल्या कार्यालयीन वेळेत, कर्जदार मुल्यांकनकार, तसेच शाखा व्यवस्थापक अथवा त्यांनी नियुक्त केलेल्या अधिका-यासमक्ष सुवर्ण मुल्यांकन करून घ्यावे. सदर मुल्यांकन इलेक्ट्रॉनिक वजनकाटयावरील वजनानुसार करावे. मात्र सदरील वजनात दागिन्यातील खडे व बीड इ. चे वजन ग्राहय धरण्यात येणार नाही.

- कर्जदाराने प्रत्यक्षात आणलेले सोने प्रामुख्याने शाखा व्यवस्थापक / नियुक्त अधिकारी यांनी स्विकारताना कर्जदाराचे नाव, पत्ता, मूळ गावाचा पत्ता, व्यवसाय/ नोकरीचा पत्ता/ निवासी पत्ता संपर्क क्रमांक इ. बाबींची नोंद कर्ज रजिस्टरमध्ये नोंदवून घ्यावी. (जेणेकरून सदर कर्जदारास आवश्यकतेनुसार बँकेच्या इतर सुविधा / सोयी या संबंधी माहिती देवून व्यवहार वाढविता येईल.)
- सुवर्णकाराने समक्ष मुल्यांकन केलेनंतर मुल्यांकन दाखल्याच्या ४ प्रती घेवून त्यापैकी एक प्रत्यक्ष सिल करणेपूर्वी पिशवीमध्ये, एक प्रत कर्जदार व उर्वरित एक प्रत संबंधीत कर्ज फाईलला लावावी. मालाचा तपशिल नमूद केलेली पिशव्या रंगाची सराफाची प्रत यापुढे मुल्यांकार यांचे नावाने एक फाईल शाखेत तयार करून त्या फाईलमध्ये ठेवण्यात यावी.
- मुल्यांकनानंतर तारण सोने हे नियमानुसार कर्जदार, सुवर्णकार व शाखा व्यवस्थापक / अधिकारी यांचे समक्ष सिल करून घ्यावयाचे असून, सदर पिशवीवर कर्जदाराचे नाव, सोने तारण कर्ज खाते क्रमांक तसेच टॅगवर कर्जदार व शाखा व्यवस्थापक तसेच मुल्यांकनकार यांच्या सहाय्ये करणे आवश्यक आहे. तसेच यासंबंधी तारण कस्टडी रजिस्टरमध्ये नोंदी असणे आवश्यक आहे. तसेच सिलबंद पिशवी रोखपाल यांचे ताब्यात दिले संबंधी वेळ, तारीख इ. नोंदीसह कस्टडी रजिस्टरमध्ये संबंधीतांच्या सहाय्ये घ्याव्यात. दैनंदिन रोख शिल्लक तपासताना कस्टडी रजिस्टर नुसार कस्टडीतील इतर ऐवजही शाखा व्यवस्थापकांनी तपासणे गरजेचे आहे.
- कर्जदाराकडून KYC नॉर्म्सनुसार स्विकारलेल्या कागदपत्राच्या मुळ प्रती तपासून त्याच्या झेरॉक्स प्रती शाखा व्यवस्थापक / अधिकारी यांनी प्रमाणित कराव्यात. कर्ज मागणी अर्जावर संबंधीत कर्जदाराचा अद्यावत फोटो असणे ही आवश्यक आहे.

कर्ज परतफेडीनंतर तारण परत करणेसंबंधी प्रक्रिया :-

- कर्जदाराने मंजूर कर्जाची व्याजासह संपूर्ण परतफेड करून कर्ज खाते निरंक केलेनंतर संबंधीत कर्जदाराकडून तारणाची मुल्यांकनाची मूळ पावती घेणे आवश्यक असून, सिलबंद पिशवीतील प्रत व कर्ज फाईलमधील प्रतीवर नमूद असल्याप्रमाणे तारण सोने शाखा व्यवस्थापक / अधिकारी यांनी तारण ऐवज परत मिळाले संबंधी कर्जदाराची (तपशीलासह नोंदी करून) सही घ्यावयाची आहे. तसेच संबंधीत कर्ज अर्ज, करारपत्र, वचनचिठ्ठी, मुल्यांकन पावती इ. कागदपत्रांवर "Account closed" स्टॅम्प मारून शाखा व्यवस्थापकांनी सही व तारीख नमूद करून तारणाचा ऐवज संबंधीत कर्जदारास परत करावयाचा आहे अकॉंट क्लोजची स्वतंत्र फाईल / रजिस्टर ठेवून त्यामध्ये दस्तऐवज लावून नोंदी करावयाच्या आहेत.

सोनेतारण कर्जासंबंधी जबाबदारी (Risk) संदर्भात शाखा व्यवस्थापकांनी घ्यावयाची दक्षता :-

१. सोने मार्केट मधील दैनंदिन सोन्याचे दरासंबंधी माहिती घेवून शाखेतील सोने तारण कर्जावर योग्य नियंत्रण ठेवणे, यामध्ये बदलत्या दरानुसार कर्ज मर्यादा खाली आणणे, अतिरिक्त कर्ज भरून घेणे इ. बाबी अमलात आणणे आवश्यक आहे.
२. तारण सोन्याची शुध्दता, कस, मुल्य इ. बाबत ठराविक कालावधी नंतर विभागीय व्यवस्थापक यांचे अन्य सुवर्ण मुल्यांकनकाराकडून तपासणी करून घेण्यात यावी. त्यावेळी कर्जदार, शाखेचा सुवर्ण मुल्यांकनकार उपस्थित असणे आवश्यक आहे.

३. कस्टडी रजिस्टर मधील नोंदी वेळोवेळी तपासून घेणे बरोबर असल्याचा शोरा नमूद करून शाखा व्यवस्थापक संबंधीत अधिका-यानी दिनांक नमूद करून सही करावी.
४. कस्टडीची सुरक्षिततेच्या दृष्टीने सेक्युरिटी अलार्म, कामकाजाच्या वेळेतील सिक्युरिटी इ. व्यवस्था पहाणे.
५. केंद्र कार्यालय / विभागीय कार्यालयाकडून अचानक तपासणी केल्यास सहकार्य करावे.
६. कर्जदाराकडून तारण ऐवजाचे मालकी संबंधी पुरावादार्शक पावत्या, डिक्लेशन, स्त्रीधनासंबंधी संबंधीत महिलेचे ना हरकत पत्र घेणे, KYC नॉर्म्सनुसार आवश्यक कागदपत्रे घेणे.
७. मासिक हप्त्याची तसेच मासिक व्याजाची दरमहा वसुली न झाल्यास प्रथम कर्जदारास स्मरणपत्राने कळवून तदनंतर समक्ष चर्चेस बोलावून व्याजाचा भरणा करणेसंबंधी चर्चा करावी. यानंतरही व्याजाची वसुलीही न झाल्यास याबाबत हिशेब विभागाचे दिनांक २०/०४/२०१३ चे परिपत्रकानुसार कार्यवाही करावी.

कर्जदार मयत झाल्यास त्याची पत्नी अथवा नॉमिनीकडून खालील कागदपत्रे घ्यावीत व तदनंतरच खाते निरंक करून तारण परत करावे.

- १) मृत्यू प्रमाणपत्र (डेथ सर्टिफिकेट)
- २) नॉमिनीचे फोटो आयडेन्टीटी
- ३) मृत कर्जदाराशी नाते असले संबंधी पुरावादार्शक कागदपत्रे
- ४) इंडेन्टीटी बॉड (नोटरी केलेला)
- ५) मुल्यांकनाची मूळ पावती (बँकेच्या मुल्यांकनकाराची)

मयत कर्जदार अविवाहित असल्यास वारसाकडून खालील कागदपत्रे घ्यावीत १) मृत्यूचा दाखला २) मयत व्यक्तीचा फोटो आय.डी. ३) कायदेशीर वारस प्रमाणपत्र ४) इतर सर्व वारसाचे ना हरकत प्रमाणपत्र ५) सर्व वारसदारांचा नोटरी केलेला इंडेन्टीटी बॉड ६) वारसदाराचे आय.डी.प्रुफ ७) मुल्यांकनाची मूळ पावती. (बँकेच्या मुल्यांकनकाराची)

कर्जदाराकडून मूळ मुल्यांकनाची प्रत गहाळ झाल्यास कर्जदाराकडून रु.१००/- चे स्टॅम्प पेपरवर इंडेन्टीटी बॉड (ज्यामध्ये तारणाचा तपशिल असणे आवश्यक) घेवून शाखेतील कर्ज फाईल मधील मुल्यांकन रिसिट नुसार तारणाची खातरजमा करून कर्ज खाते निरंक करून तारण संबंधीत कर्जदारास परत करणे आवश्यक आहे.

शाखा व्यवस्थापकाची अन्यत्र बदली झालेस (रजा घ्यावयाची असल्यास), नविन शाखा व्यवस्थापकांना शाखेचा चार्ज देताना कस्टडी मधील तारणासंबंधी संपूर्ण सोने पिशव्यांची सीलबंद असल्याबाबत समक्ष खात्री करून देवून त्यासंबंधी शोरा मारून स्वाक्षरी करण्यात यावी. व तशी कस्टडी रजिस्टरमध्ये नोंद करून घेणे आवश्यक आहे.